मृत्यु की पाप

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

शास्त्रों के अनुसार मृत्यु की पाप क्या है?

1 यूहन्ना 5:16-17
“यदि कोई अपने भाई को ऐसा पाप करते देखे, जो मृत्यु का नहीं है, तो वह प्रार्थना करे, और परमेश्वर उसको जीवन देगा — उन लोगों के लिये जो ऐसा पाप करते हैं, जो मृत्यु का नहीं है।
परन्तु एक पाप है जो मृत्यु का है: उसके लिये मैं नहीं कहता कि वह प्रार्थना करे।
हर अधर्म पाप है, और कुछ पाप ऐसे हैं जो मृत्यु के नहीं होते।”

बाइबल स्पष्ट रूप से बताती है कि दो प्रकार के पाप होते हैं:

1. मृत्यु के पाप
2. मृत्यु के नहीं पाप

मृत्यु का नहीं पाप (Sin Not Unto Death)

यह ऐसा पाप है, जो यदि कोई व्यक्ति करता है, तो वह पश्चाताप कर सकता है और क्षमा प्राप्त कर सकता है। यह पाप अक्सर अज्ञानता, आत्मिक अपरिपक्वता, या अज्ञानता के कारण होता है, और यह परमेश्वर की अनुग्रह की सीमा के भीतर होता है।

ऐसे पापों के लिए बाइबल कहती है कि व्यक्ति पश्चाताप करे और

मृत्यु की पाप

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

क्षमा पाए, और उसे मृत्यु नहीं होगी। लेकिन एक और प्रकार का पाप है — मृत्यु का पाप — जिसे करने के बाद व्यक्ति को भले ही क्षमा मिले, फिर भी मृत्यु की सज़ा टलती नहीं।

मृत्यु का पाप (Sin Unto Death)

यह पाप दो प्रकार के लोगों में पाया जाता है:

1. परमेश्वर के बच्चे और उसके सेवक
2. वे लोग जिन पर परमेश्वर की अनुग्रह बार-बार आई, लेकिन उन्होंने उसे तुच्छ जाना

मूसा और इस्राएली लोगों का उदाहरण इसमें स्पष्टरूप से दिखता है।
मूसा परमेश्वर का एक विशेष दास था, जिसे परमेश्वर ने भविष्यवक्ताओं से भी अधिक करीब से प्रयोग किया। लेकिन जब मूसा ने जानबूझकर परमेश्वर की आज्ञा की अवहेलना की और उसका महिमा अपने ऊपर ली, तो उसने मृत्यु का पाप किया।

परमेश्वर ने मूसा को क्षमा किया, लेकिन सज़ा बनी रही — वह प्रतिज्ञा की भूमि को देख नहीं पाया।

आज भी कुछ सेवकगण परमेश्वर की महिमा स्वयं ले लेते हैं, आज्ञाओं की अवहेलना करते हैं। यही पाप अननियास और सफ़ीरा ने किया जब

मृत्यु की पाप

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

उन्होंने पवित्र आत्मा से झूठ बोला और तुरन्त मृत्यु आई — ये सब मृत्यु के पाप हैं।

इसी प्रकार इस्राएली लोग आज के “गुनगुनाते और आधे-अधूरे” मसीही विश्वासियों का प्रतीक हैं। उन्होंने परमेश्वर की महिमा, आश्चर्यकर्म और चमत्कार देखे, फिर भी उनके दिल कठोर रहे।
वे मूर्तिपूजा में, व्यभिचार में और कुड़कुड़ाहट में लगे रहे। अंततः, जब परमेश्वर की अनुग्रह का समय समाप्त हुआ, तो उसने शपथ खाई कि वे सब जंगल में मरेंगे, चाहे वे पश्चाताप करें या आँसू बहाएँ। केवल उनके बच्चे ही प्रतिज्ञा की भूमि में प्रवेश कर पाए।

यही है मृत्यु का पाप।

अब सोचिए — अगर आप किसी विशेष आशीर्वाद के योग्य हैं, लेकिन वह सदा के लिए खो जाता है, तो आपको कैसा लगेगा?

बाइबल इस संदर्भ में चेतावनी देती है:

मृत्यु की पाप

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

1 कुरिन्थियों 10:1–12 (संक्षिप्त)

हमारे पूर्वज सभी बादल के नीचे थे, समुद्र के पार हुए, और मूसा के साथ आत्मिक रीति से बपतिस्मा लिया
उन्होंने आत्मिक आहार और आत्मिक जल पिया — वह जल चट्टान से था, और वह चट्टान मसीह था
लेकिन फिर भी परमेश्वर ने उनमें से अधिकतर से प्रसन्नता नहीं की — वे जंगल में नाश हो गए
ये सब हमारे लिए चेतावनी और दृष्टांत हैं
इसलिए जो समझता है कि वह खड़ा है, वह सावधान रहे कि वह गिर न जाए

आज का मसीही जगत भी इससे अलग नहीं है।
लोग जानते हैं कि यीशु उद्धारकर्ता हैं, चर्च जाते हैं, बपतिस्मा लेते हैं, सच्चाई जानते हैं — फिर भी व्यभिचार में, नशे में, गाली-गलौज, अश्लीलता, चुगली, अशुद्ध वस्त्र पहनना, पोर्न देखना जैसे पापों में जीते हैं। वे जानते हैं कि परमेश्वर को ये बातें अप्रिय हैं, फिर भी वे उसकी अनुग्रह को तुच्छ समझते हैं।

यह मृत्यु के पाप की ओर बढ़ना है।

अगर परमेश्वर ने मूसा जैसे सेवक को नहीं छोड़ा, तो तुम सोचते हो तुम बच जाओगे?

मृत्यु की पाप

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

हो सकता है आज आपको सुसमाचार सुनाया गया हो, लेकिन आप सोचें: “थोड़ा और जी लूं, बाद में सुधर जाऊँगा…”

लेकिन क्या पता कि इससे पहले ही कोई लाइलाज बीमारी आपको पकड़ ले — तब आप पश्चाताप करेंगे, लेकिन परिणाम नहीं बदलेगा।
इसलिए कई लोग, चाहे कितनी भी प्रार्थना की जाए, चंगे नहीं होते — क्योंकि उन्होंने मृत्यु का पाप किया होता है।

मैं यह डराने के लिए नहीं कह रहा, पर यह सत्य है।

पाप के परिणाम और चेतावनी

जब कोई मृत्यु का पाप करता है, तो उसका सबसे बड़ा नुकसान यह होता है कि वह स्वर्गीय पुरस्कार खो बैठता है।
यदि परमेश्वर ने उसे किसी सेवा के लिए बुलाया था, वह अब नहीं हो सकती — उसकी जगह किसी और को दी जाती है, जैसे यहूदा की जगह किसी और को दी गई।

जब दूसरे स्वर्ग में मुकुट पाएंगे, तो वह व्यक्ति खाली हाथ रहेगा।

मृत्यु की पाप

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

इसलिए बाइबल कहती है:

2 पतरस 1:10
“इस कारण, हे भाइयो, और भी अधिक यत्न करो कि तुम्हारा बुलाया जाना और चुना जाना स्थिर हो जाए; क्योंकि यदि तुम ये बातें करते रहोगे, तो कभी न गिरोगे।”

आज, जब परमेश्वर की आत्मा आपको बुला रही है, तब उसकी सुनो। वरना वह दिन आएगा जब आप कहेंगे: “हे प्रभु, मुझे क्षमा कर, मैं जीना चाहता हूँ!” — लेकिन फिर बहुत देर हो चुकी होगी।

फिलिप्पियों 2:12–13
“…अपने उद्धार को भय और कांप के साथ पूरा करो।
क्योंकि परमेश्वर ही है जो तुम में अपनी इच्छा के अनुसार कार्य करता है, कि तुम चाहो और उसके भले उद्देश्य को पूरा करो।”

आमेन!

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP

मृत्यु की पाप

GROUP....

Share on:
WhatsApp

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 7